विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस

भूमिका :- 2 अप्रैल को प्रतिवर्ष विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- 2020 के लिए WAAD का विषय - "द ट्रांजीशन टू एडल्टहुड" है।
- जिस दिन ऑटिस्टिक स्पेक्ट्रम विकार (ASD), ऑटिज्म और एसपर्जर सिड्रोम के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए एक मंच के रूप में उपयोग किया जाता है।
- इस दिन का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधि, उसकी महारानी शेखा मोजाह बिन्त नासर अल-मिस्ड, महामहिम शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी, कतर राज्य का अमीर, और सभी सदस्य राज्यों द्वारा समर्थित द्वारा प्रस्तावित किया गया।
- WAAD सात स्वास्थ्य-विशिष्ट आधिकारिक संयुक्त राष्ट्र दिनों में से एक है।
- 18 नवंबर 2007 को अपनाए गए 1 नवंबर 2007 को दिन के अवलोकन के लिए प्रस्ताव पारित किया गया था।
- पहला विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस (WAAD) 2 अप्रैल 2008 को मनाया गया था।
- ऑटिज्म एक विकासात्मक विकार है जो संचार और बातचीत करने की क्षमता को बाधित करता है, और विकार के लक्षण बच्चे के जीवन के पहले तीन वर्षों में देखे जा सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवस (ICBD)

भूमिका :- अंतरराष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवस हर साल 2 अप्रैल को मनाया जाता है और एक वार्षिक आयोजन होता है जो युवा लोगों के लिए पुस्तकों पर अंतरराष्ट्रीय बोर्ड (IBBY) द्वारा समर्थित होता है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- IBBY :- एक स्विट्जरलैंड आधारित गैर-लाभकारी संगठन है, जिसकी स्थापना जेला लेपमैन द्वारा बच्चों और पुस्तकों को एक साथ लाने के उद्देश्य से की गई है।
- IBBY की स्थापना 1953 में स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में हुई थी और इसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के बेसल में है।
- यह दिन 1967 में स्थापित किया गया था और हंस क्रिश्चियन एंडरसन के जन्मदिन पर या इसके आसपास मनाया जाता है।
- प्रति वर्ष IBBY का एक अलग राष्ट्रीय खंड आईसी बीडी का अंतरराष्ट्रीय प्रायोजक होता है।
- एक विषय तय किया जाता है, और मेजबान देश के प्रमुख लेखकों को दुनिया भर के बच्चों को एक संदेश लिखने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पोस्टर डिजाइनिंग के लिए एक प्रसिद्ध इलस्ट्रेटर को आमंत्रित किया जाता है।
- दिन का उपयोग पुस्तकों को पढ़ने और बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में किया जाता है।
- पढ़ने को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्कूलों और सार्वजनिक पुस्तकालयों में कई कार्यक्रम और समारोह आयोजित किए जाते हैं।

COVID-19 वायरस की तीन अर्ध-उप प्रजातियाँ भारत में मौजूद

भूमिका :- हाल ही में 1 अप्रैल, 2020 को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् (ICMR) ने बताया कि देश में COVID-19 की तीन अर्ध-उप प्रजातियाँ प्रचलन में हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार यह प्रजातियाँ अन्य देशों से भारत में आई हैं।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- भारत में COVID-19 मामले यात्रा इतिहास वाले लोगों से उत्पन्न हुए हैं। इसलिए यह वायरस भारत के बाहर से आया है।
- अब तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पायी है कि विश्व के अन्य हिस्सों में यह वायरस कैसे व्यवहार कर रहा है।
- ICMR ने इस बात की पुष्टि की है कि भारत में यह वायरस देश के जलवायु, जैविक कारकों तथा देश में रहने वाले लोगों के कारण भिन्न रूप ले चुका है। वर्तमान में देश में इस वायरस के तीन प्रकार हैं।
- भारत में इस वायरस के प्रसार का क्षेत्र व्यापक है, इसलिए COVID-19 की प्रगति की प्रवृत्ति की भविष्यवाणी करना बहुत मुश्किल है। ICMR के अनुसार, वर्तमान में देश अन्य देशों के साथ वायरस की प्रगति की तुलना करना संभव नहीं है।
- भारत में अब तक 42,788 नमूनों का परीक्षण किया गया है। यह देश की क्षमता का केवल 36% है। भारत एक महीने में स्वदेशी किट बनाने पर कार्य कर रहा है, इस उपरांत परीक्षण की दर भी बढ़ाई जायेगी।

• BY:- PANKAJ BODIYA.